

॥ भुगन्तुल ॥ लघु चक्रेन त्रय धनसंस्थितः ॥ त्रिगुणः ॥

॥ ॐ विष्णुमायाशायक वन्दित्युक्त शायन नमः ॥

थम नुन रिच वा मा प्र नो च पु का या व पु मा ल का न धु ना व के
थि बाल धा स र वा स्या म सै व यो ना व मु धू न दा स थ धा धि स्य व

नमो ह वै वालन खनडाव ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ ह्रीं स मुँ र्ले म ऊँ धूमनु बु न य ग ह ना ग प्र थ न दू ना म प्रा न स्त त य जी

दास्य नशना ॥ कुंथुनिलाधिलिखादिनाकाटिकृष्टिरवूमाज

यत्तत्समन्तं ॐ श्वयम्सहायवकिवाचारम्भनायार्थनाकिवावागुवृक्कमकिभना

राकि रुवमनु४॥ कवि ज्ञानार्थ ज्ञातार्थ सुविद्याभवन इत्युक्ति मध्या १॥

कृपायां नुयिन कचिदसायाया ५ साम ह्लासमनु मायभा ॥ ६६ ॥ सा ॥

धनाश्रममरु कङ्क कङ्क तनहाधिसिना उमन्तिस्यामायापिनाकप्रमाय

॥ शुभानाम् प्रकोपस्य तां नमो भक्त्या यवज्जीवनम् ॥

पु
सु

ॐ सिद्धिस्तु ॐ ग्या ॐ कासविका तनानं विनानं यत्तत्ता मासि हौं हूं रुद्रसाहा ॥
अनंतं खरयलवता क नृजनम विष्णु प वा न मासि ॥ ॥ वासा कर्तृ हूं
ॐ सिव वा फां प्रिनिव वा रामा का वासि दा गुरु ॐ हूं रुद्रमहासामहाहा
ॐ गुरु ग्या ॐ ॥ हं खरयलवता क नृजनम विष्णु प वा न मासि ॥ अनंत
पुति का हित हं खरय ॥ मना मना ॥ धृता ध्या या व क्र अथा ह पि य ॥ धमनु
ध का हा ह मा ॥ ॥ ॐ ग्या व द मा ग्या माता क ग्या हूं मा न वा र्ध र ता वा र्ध

पु
सु

पु
सु

प्रत वा र्धः क्रीड नि वा र्ध न ल सिं ध र्ध थ ॥ गुरु का स क म न र क रु रा म नु या गी नी
माता क वा या ॥ वा ता हि गुरु लि गा य ॥ नृ ग्व उ नृ र्व रु ग्या अ सा क था य नृ ग्व उ नृ
खा का स थू न र ता य नि नृ व य म रु य क ॥ ॥ ॐ ग्या गुरु द सु यो दि ना ना
थ कि आ हूं ॥ ग्या माता पं द म नि ॥ ग्या माता वि द्या ध रि ॥ ग्या माता द ग ता क र नि ॥ ग्या मा
ता गुरु हं ग्या ॥ ग्या माता च गुरु द वि ॥ गुरु दि क ना ना थ ॥ का म ना स रु द दि या ॥ धा न
ध महा हं द व सा न या ॥ धृ च क्र ख न थ ध क्र स म स मा तं ॥

ॐ ववु दबी केया (म) वागय नाँ चलाँ नहि चलाँ सो हो ० ॐ ॥ वृत्तिन मलयाय शिव
 सिं आरुयम रुया ॥ कसी विनक ॥ माल ॥ ॥ ॐ सिद्धि गुरु आरु
 पंचन आमा सान का वडन का ॥ अत्र १८ ॥ विखात्र लीख लीक इम विव
 या साभस पासी ॥ ॥ ॐ सात्र विद्यामान मल माल ॥ अत्र १८ नागि समन
 मासी दूय य चकु ववया ॥ ॥ ॐ सिद्धि गुरु आरु दवि दन वना
 पातिनी नाह पूलीखा वा ॥ अत्र १९ विरीख दव यावतान के सात्र
 ०० ॥ ॐ का प्र का गल ॥

का सदआया थ मनु साभ स्या ॥

ॐ सिद्धि गुरु आरु माल विद्यामल माल माल अय दूँ रुदू साहा ॥ ॥
 नाहाति समन मासी दूय दूचु अवया मनु थ साभ स्या ॥ ॥ अलिगीथा
 लिगी मालयावू रुदू सो हो ॥ मालानवाला तिमी मनु वर थ सिद्धि यया ॥ ॥
 ॐ नभा वृन मय ववली साहा ॥ थ मनु नस का खमान लल माली नि साया व
 कप वर थ ति म दूहि व वन याय ॥ थ मनु नम सका खमान लल सभा
 ॐ सिद्धि गुरु आरु ॐ का सि कालि माहा कालि रस कालि महा बल ॐ वं न महा

सिद्धि

गुरु

आरु

म

लि

२ॐ गुरु श्या ॥ ॐ काम चू पविकि आह्ला विन नत सिंघकि आग्या ॐ गुरु
 नृ आग्या ॥ ॐ हिन मातैव हन मगु रित्र गीरु गुरु ग्वश खना थविन आयम
 गवा पूर् आउ को वा (ॐ) यसा ना कि वा क्त त सा भा रा वा च कि वी ॥ गी गी
 नत सिंघ विन गी दा य ह नि मनु नत सिं ह विन क स गुरु हा य ग्वस गुरु संघा क आ
 ठर य रू न म गुरु ठर ग्ववाचा ॥ धन ३ ॥ थ मं नु न का र न म य आ क वा थ र
 न क वं हा न त य इ न सा ज स सं स गुरु मू वा रं नाम का मा न थ व रू स रू का

मायवा प (ॐ) ॥ ॐ गुरु ॥ ॐ गुरु श्या ॐ त (ॐ) न ग न त दि ती न ग
 त नृ आ व रं वि वि काम न नि वा य गी गुरु श्या ॥ धन ॥ थ म न मू चू य
 का मा व स थ म थ म दा व ॥ थ ख नू स व न य थ म न चा ग्व ग्व र का या व त थ चू
 ग्व र थ व कू त य ॥ चू ग न न म गुरु क य के चू ग्व र रू स ग्य ग न चू म र र
 जून ॥ ॥ ॐ सि वि गुरु श्या ॐ मा न य सा न म गुरु त नि ॥ धन ॥ थ र
 ग न थ दा का मा वा का मा व ग्व व न या म वा ग्व व न म दा व ॥ थ वा नू द य

श्री

मि

५ ॥ सतुतिं कुरु ॥ ॥ ॐ ह्रीं काना ना सि वि स क न न्द का लि का ह्रीं ॥ अ न न्द थ म् न
आ प्र त त्त व न न्द ह्रीं ॥ वि न न्द व द न ॥ अ नि न्द ॥ अ न न्द म् न
न स कृ यि न्न इ त् ॥ ॥ ॐ ह्रीं काना ना सि वि स क न न्द का लि का ह्रीं ॥ अ न न्द थ म् न
ॐ ॥ वा दि क् ॥ वा पि य क् ॥ ॐ व ज स म् य त् ॥ ॐ मा ॥ ॐ क न ह्रीं ॥ अ न न्द व द न
॥ वा पि न्द क ह्रीं ॥ ॥ ॐ न म् अ न न्द व द न ॥ ॐ सा दा व द न ॥ ॐ क न ह्रीं ॥ अ न न्द व द न
गु द व न्द ॥ स त् य नि वि ॥ य नि ॥ सा द ग्गु द य नि न्द म् न्द य नि न्द का ना य नि
व द न्द ना य नि ॥ अ न न्द व द न ॥ अ न न्द व द न ॥ अ न न्द व द न ॥ अ न न्द व द न ॥ अ न न्द व द न
सि य व न्द ॥ ॐ सा दा ॥ अ न न्द थ म् न्द वा ग्गु य व द न्द स न रि य ॥ ॥

ॐ गी ग्गु अ ग्गु ॐ न न्द व द न ॥ अ न न्द थ म् न्द वा ग्गु य व द न्द स न रि य ॥ ॥
त व ॥ अ न न्द व द न ॥ अ न न्द व द न ॥ अ न न्द व द न ॥ अ न न्द व द न ॥ अ न न्द व द न ॥
ॐ न म् अ न न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥
अ नि न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥
नि दा कि न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥
ॐ गी ग्गु अ ग्गु ॐ न न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥
स्य ॥ स रि व ता ह का त्रै यै र्का का थू र्का ॥ अ य ॥ स पा थ य ता च न्द स ह मा
ता दा ता ॥ अ नि कि पा ता ॥ सि या हू पा कि दा ॥ सा ली म न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥ ॐ न्द व द न ॥

